IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

स्वच्छता अभियान में सफाईकर्मियों का योगदान एवं उनकी स्थिति

(इंदौर नगर निगम के सन्दर्भ में)

डॉ. सुधा जैन
शोध निर्देशिका, प्राध्यापक समाजकार्य, इन्दौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, इन्दौर
देवेन्द्र सिंह राठौर
शोधार्थी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रस्तावना :– स्वच्छ भारत मिशन एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है और यह भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना है, जिसके अंतर्गत शहरों, कस्बों और गांवों की साफ–सफाई के लिए शुरू की गयी है। 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी जी की 145 वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू किया गया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का स्वप्न था जो माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसकी शुरुआत की। स्वच्छ भारत मिशन एक कदम स्वच्छता की ओर इस अभियान से में बहुत प्रेरित हुआ एवं इस अभियान को लेकर लोगों में भी उत्साह व जागरुकता देखने को मिले व उनका सहयोग भी प्राप्त हुआ। सभी नागरिक भारत देश को एक स्वच्छ भारत के रूप में देखना चाहते है। इसलिये सभी नागरिक अपनी–अपनी समस्या एवं सुझाव साझा कर रहे है।

इसके अंतर्गत नगर निगम में कार्यरत सफाई कर्मियों पर स्वच्छता को लेकर कई कार्य बांटे गये । जा रहा है जो कि गलत है। क्योंकि नगर निकाय में स्वच्छता का महत्वपूर्ण योगदान सफाई कर्मियों का है और उन्हें ही सामाजिक, आर्थिक व अन्य समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। नगर निकाय में कई कर्मचारियों को अस्थाई रखा गया है तो कई कर्मचारियों का वेतन समय पर नहीं मिलता। सफाई कर्मचारी की नगर निकाय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है अर्थात् हम कह सकते हैं कि अगर उन कर्मचारियों को सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए, जिससे कि नगर निकाय के स्वच्छता कार्य को सुचारु रुप से क्रियान्वित किया जा सके। व्यापक परिदृश्य में देखे तो 'स्वच्छ भारत का सपना हमारी उन छोटी–छोटी आदतों पर टिका है जो हम रोजमर्रा की जिंदगी में अपनाते हैं। सिर्फ नदी, नाले सड़क या भवनों की साफ–सफाई तक इस सपने को सीमित न करे, बल्कि दो कदम बढ़ाते हुए ये सोचे कि हम इसमें व्यक्तिगत रूप से क्या योगदान दे सकते है हम और आप एक जागरुक नागरिक की तरह सिर्फ सोचे ही नहीं, व्यवहार भी करें, क्योंकि आने वाली नस्लों को खुबसूरत. सक्षम और मजबूत भारत देने का ख्याब हम सभी का है। आज के समय में हमारे लिए कचरे को कहीं भी फेंक देना सामान्य है। परंतु एक दिन यही कचरा हमारे लिए सबसे बड़ी समस्या बनने वाला है। क्योंकि इससे गंभीर बीमारिया उत्पन्न होती है, जिससे हर दिन लाखों लोगों की जाने जा रही है। एक रिपोर्ट से पता चला है कि दुनिया के किसी देश में हर रोज बाढ़, भूकंप या और कोई कुदरती समस्या होती ही है। इन सभी प्राकृतिक आपदाओं की मुख्य वजह कचरा है। इसी कारण कचरे को प्रकृति का सबसे बड़ा दुश्मन कहा जाता है। इस कचरे को सही ठिकाने लगाने मे सफाई कर्मी लगातार लगे रहते है ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

[1]. भट्टाचार्य डॉ. तपन (2015) मध्यप्रदेश सामाजिक शोध, लोक विकास एवं अनुसंधान ट्रस्ट, इन्दौर।
[2]. गुप्ता यू.सी. वर्मा प्रतीक (2016), ग्रामीण विकास परियोजना, अर्जुन पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली।
[3]. झा सिद्धार्थ (2016), कुरुक्षेत्र, ग्रामीण विकास को समर्पित, स्वच्छ भारत से होगा
[4]. समग्र भारत का विकास (2016) नई दिल्ली।
[5]. कडकिया श्रीमती बबीता, डॉ. मंगल रमेश (2002). वाणिज्य, इन्दौर नगर पालिक
[6]. निगम के कार्य एवं वित्त व्यवस्था का आलोचनात्मक अध्ययन, इन्दौर।